beds. As a policy, no no patient is admitted on floor at the A.I.I.M.S. Hospital.

दिल्ली में सरकारी अस्पतालों के कार्यकरण में बिगाड़ आना

1566. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :**
श्री भगतराम मनहर :
श्री वीर भद्र प्रताप सिंह :
श्री रामचन्द्र विकल :

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली में केन्द्रीय सरकार के अस्पतालो और उनके अधीक्षकों के नाम क्या-क्या हैं और प्रत्येक अधीक्षक कब से अपने पद को धारण किए हुए हैं तथा क्या उनमें से कुछ का स्थानांतरण किया जाना रुका हुआ है, यदि हां, तो कब से;

(ख) क्या यह सच है कि वहां पर उनके द्वारा लम्बे समय से पद पर बने रहने के कारण इन अस्पतालों के प्रबन्धन में गिरावट आई है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि इन अस्पतालों में रोगियों की संख्या में इस हद तक वृद्धि हो गयी है कि उनके द्वारा रोगियो की देख-भाल करना मुश्किल हो गया है और यहां तक कि डा. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के जहां सभी संसद सदस्य अपना उपचार कराते हैं, प्राधिकारियों को भी इस बात की जानकारी नहीं है; और

(घ) क्या राजधानी स्तर पर अस्पताल के कार्यकरण पर नगरानी रखने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क)

अस्पताल का नाम	चिकित्सा अधीक्षक का नाम	जिस तारीख से पद धारण किए हु
1. सफदरजंग अस्पताल	डा० एस० डी० शर्मा	9–10
2. डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल	डा० जे. पी. सिंह	5–6-
3. लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज एवं श्रीमती सुचेता कृपालानी अस्पताल	डा० (श्रीमती) कस्तूरी अग्रवाल	1–10–85

इनमें से किसी का स्थानांतरण ड्यू नहीं है। बहरहाल, डा. जे.पी. सिंह अधिवर्षिता वय प्राप्त कर लेने पर 31–5–88 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

(ख) जी, नहीं ।

(ग) जी, नहीं, यह सच नहीं हैं। डा. राममनोहर लोहिया अस्पताल के प्राधिकारियों को रोगियों की बढ़ती हुई संख्या की पूरी जानकारी है। ऐसा रोगियों की अधिक भीड़-भाड़ होने तथा इस अस्पताल द्वारा रोगी को जितनी चिकित्सा परिचर्या और ध्यान दिया जा सकता है उससे और अधिक सेवाओं की लगातार मांग किए जाने के कारण है।

(घ) जी, हां । सरकार राजधानी के मौजूदा अस्पतालों में उपलब्ध सुविधाओं के अनुकूलतम उपयोग के लिए अनेक उपाय शुरू करने तथा प्राथमिक और माध्यमिक, दोनों स्तरों पर परिधीय स्तर की संस्थाएं स्थापित करने के प्रयत्न कर रही है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि चिकित्सा के सभी मामले मौजूदा अस्पतालों की ओर आकर्षित न हों। यह एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।